घूर्ण 6. A. 1) commoveri, vacillare. M.: सा नीस तस्मिन्
महोदधी घूर्णते चपले 'व स्त्रोः 2) flare, spirare.
A. 6.6.: व्रायुश्च घूर्णते भीम: (Huc trahi posset lat.
volvo, quod in priore hujus libri editione p. 206. cum व्
tegere contulimus, ad quod sensu in-volvo quadrat. Si
autem ad घूर्ण pertinet, mutilatum est e guolvo, mutato
r in l. Conferatur etiam goth. valoja volvo, nostrum
wälze, Welle, germ. vet. wella unda, fluctus, lith. wilnis
id., quod forma propius ad घूर्ण accedit.)

с. म्रा id. Dev. 12.26:: म्राघूर्णिता वातेनः - C. म्रा praef. वि id. Hrp. 1.10:: ऊरुवेगसमीरितम् व्नम् व्याघूर्णि-

तम् इवा भवत्.

़ वि म. se volutare. R.III. 48.79:: विघूर्णता विचेष्टस्य वेपमानस्य भूतले; ed. Schl. I. 32.18:: विचेतनम् वि-घूर्णन्तं शितेषुबलपीडितम्

घूर्पा (r. घूर्पा s. म्र) se movens, se volvens. C'AUR. 45.: घूर्पा-नेत्र-

1. घु 1. ब. (सेके ह.) conspergere, humectare.

2. घृ 3. म. जिघमि (चारणदीस्या: स. भासि सेको म.) stillare, effundere, conspergere, humectare; splendere.

3. घृ 10. ह. घारयामि (चारपादीस्यो: ह. सेने कादने ह.) stillare, effundere, conspergere, humectare; splendere; tegere.

c. म्रा praef. वि conspergere, humectare. Mr. 121. 3. infr.: व्याघारितन् तैलघृतै:

घृण् ८. २.४. घृणोमि, घृण्वे (दीत्री) splendere, v. घृणि स र्ज घर्मः

घृणा f. miseratio, misericordia. RAGH. 9.81.11.65.11.17. घृणि m. (r. घृण् s. रू) radius.

घृणिन् (व घृणा s. इन्) misericors. Dr. 9.8.20.

घृम् 1. 4. घृमे (प्रह्मो; scribitur घृग् ; gr. 110°).) capere, prehendere; cf. प्रहू. गृह्णामि.

घृत n. (r. घृ s. त) butyrum liquefactum. Внак. 1.65. 3.97. घृताची f. (e घृत et म्रची a r. म्रञ्च s. म्र, in fem.) n. pr. Apsarasis. In. 2.29.

घृष् 1. P. fricare, terere, conterere. C'AUR. 12.: क्राक्क

पउलघृष्ट्यापड; Mr. 140.9. infr.: घृष्यन्ते वैद्याः; 7. infr.: घृष्यते चन्दनासः. (Huc referri posset lat. verro pro guerro, nisi pertinet ad कृष्; v. hanc radicem et vocem घृष्टि, cui verres respondet.)

с. उत् .खं. Ragh. 17.28.: चूडामणिभिन्न उद्घृष्टपाद-पीठः

с. सम् 1) i. q. simpl. सङ्घृष्यत् contritus (v. gr. 597.). MAH. 1.1134.: सङ्घृष्यन्तः परस्परम् न्यपतन् ... पर्वनायान् महादुमाः 2) certare, aemulari. RAGH. 19.36.: प्रयोक्तिमः सञ्ज्ञघर्ष सह (Schol. सङ्घर्षः प्राभिभ-वेषा).

ঘৃষ্টি (r. ঘূর্ s. নি) Fem. 1) frictio, tritus. 2) aemulatio, certatio. Masc. porcus, sus. (Lat. verres e guerres pro guerses, sicut vivo pro guivo = গ্লীল ·)

घाटक m. equus. Am.

घोणा f. (ut videtur, a r. घ्रा s. म्राना, ejecto र et mutato म्रा in म्रो, sicut in सोहुम्, पाउश, v. gr. 468. 40. et cf. prâcr. घाणा pro scr. घ्राणा) nasus. Dr. 7. 7.

घाणिन (a praec. s. उन्) porcus, sus. Am.

चार (r. घुरू s. म्र) terribilis, terrificus, atrox. In. 5.62. H.1. 17. Br. 1.3. (Goth. gaurs, Th. gaura tristis, nisi pertinet ad गुधु; hib. gorg «fierce, cruel».)

घारदर्शन (ван. e praec. et दर्शन n. visus, conspectus) terribilem speciem habens, terribilis visu. H. 2.5.

चाज m. (r. घुष s. म्र) 1) proclamatio, pronuntiatio. Ман. 1.5333.: सावपुण्याहचाज. 2) sonus, strepitus. N. 2.11. 19.25.21.2. Dr. 6.7. 3) pastoralis sedes. N. 17.49.

घोषणा f. (r. पुष् s. म्रन् in fem.) proclamatio. Am.; RAGH. 12.72.: ਨੁਕਬੀषणा.

ਬ (f. 朝, r. 長月 s. 現, v. gr. 645.) occidens, in fine compp. N. 12. 18. 13. 28.

য়া 1. p. রিঘ্নানি (proprie cl.3. correpto স্না in স্ক, et in syllabâ redupl. attenuato স্ক in হ্, ob duas sequentes consonantes, sicut in নিস্তানি pro নহয়ানি, a r. হয়া) odorari. RAM. I. 12. 42.: খুন্যান্থত্থ রিঘ্ননি; Hit.: রিঘ্ন্ন স্থি মুরত্ননা ভন্নি (Pottius ingeniose confert lat. fra-gra-re, ita ut fra sit syllaba reduplicativa pro ghra;